संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688

जिलों से संभाग तक का सच

email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-8 | अंक-28 | प्रति मंगलवार, इंदौर, 3 दिसंबर 2024 से 9 दिसंबर 2024 | मूल्य- 2 रु. | पृष्ठ- 8

भय से भारत अभय हो,
फिर विजय से विश्व।
विनयकर निर्भय जय हो,
जय हो भारत भूमि जय हो।।

Short News

देश के 23 राज्यों में कम प्रसिद्ध स्थलों को विकसित करेगी मोदी सरकार

■ नई दिल्ली । संभाग पोस्ट

केंद्र ने 23 राज्यों में फैली 3,295 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वाली 40 परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। परियोजनाओं का मकसद कम प्रसिद्ध स्थलों को विकसित करना और देश भर में पर्यटकों के बैलेंस डिस्ट्रीब्यूशन को बढ़ावा देना है। अधिकारियों ने बताया कि व्यय विभाग के निर्देशों के अनुसार, पर्यटन मंत्रालय ने प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों के विकास के लिए पूंजी निवेश के उद्देश्य से राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) के लिए परिचालन दिशा-निर्देश जारी किए थे। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर, 2024 तक 8,000 करोड़ रुपये से ज्यादा लागत के कुल 87 परियोजना प्रस्ताव प्राप्त हुए। इसके बाद पर्यटन मंत्रालय ने दिशा-निर्देशों और प्रक्रिया या मानदंडों के अनुरूप 23 राज्यों में 3295.76 करोड़ रुपये की लागत से 40 परियोजनाओं को चुना गया। इसके बाद इन परियोजनाओं को व्यय विभाग द्वारा मंजूरी दे दी गई है। कुछ चुनी हुई जगहों में रंग घर, शिवसागर (असम), मत्स्यगंधा झील, सहरसा (बिहार), प्रपोज्ड टाउन स्क्वायर, पोरवोरिम (गोवा), और ओरछा (मध्य प्रदेश) शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा, इस पहल का उद्देश्य ज्यादा यातायात वाली जगहों पर दबाव को कम करना और देश भर में पर्यटकों के बैलेंस डिस्ट्रीब्यूशन को बढ़ावा देना है। कम जाने जाने वाली जगहों पर ध्यान केंद्रित कर मंत्रालय पर्यटन अनुभव को बढ़ाने, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने और नई परियोजना के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण के जरिए सेक्टर में सस्टेनेबल विकास सुनिश्चित करने की उम्मीद करता है। राज्यों को परियोजनाएं पूरी करने के लिए दो साल का समय दिया गया है। योजनाओं के लिए यह धनराशि मार्च 2026 से पहले जारी कर दी जाएगी।

आपका अपना विश्वसनीय अखबार...
हमेशा आपके साथ

संभाग पोस्ट

आप हमसे अपनी समस्याओं को सांझा कर सकते हैं बगैर किसी खौफ के विडियो, फोटो, दस्तावेज के माध्यम से हमारे वाट्सअप नम्बर पर और संभाग पोस्ट के पाठक सदस्य भी बन सकते हैं...

एक वर्ष की सदस्यता लेने पर
अखबार फ्री... तीन विज्ञापन फ्री...
पाठक सदस्यता आईडी कार्ड फ्री...
न्यूज चैनल पर एक एड फ्री....

सम्पर्क 9009919948

अवैध खनन का खेल

कॉलोनियों से कर रहे मेल

अवैध खनन की ये परिभाषा

'अंधेर नगरी चौपट राजा'

अधिकतर अवैध खनन का माल कॉलोनियों में जाता है खपाया !

■ खरगोन । संभाग पोस्ट

जिले में इन दिनों अवैध खनन और परिवहन के नाम पर 'अंधेर नगरी चौपट राजा' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। जिले से लेकर तहसील में कहीं पर भी खनन माफियाओ को खुलेआम अवैध खनन व परिवहन करते देखा जा सकता है, जिसे देखने वाला या रोकने वाला कोई जिम्मेदार नहीं है। जानकारों की मानें तो अधिकांश मामलों में खनिज विभाग की मूक सहमति व प्रशासन की अनदेखी है। खनन माफिया खुलेआम खनिज संपदा का दोहन कर रहे हैं और जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे।

जिले में रेत माफिया बेखौफ होकर कुंदा, वेदा सहित अन्य नदी, नालो से अवैध रूप से रेत निकाल रहे हैं। और कई सरकारी बेडियो के साथ-साथ खनन माफियाओ द्वारा सरकारी जमीनो को भी खोद दिया गया हैं खुलेआम चैन माउंटटेन मशीन लगाकर उत्खनन किया जा रहा हैं। इस पर कोई रोकटोक नहीं है और न ही खनिज विभाग किसी तरह की कार्रवाई कर रहा है। यदाकदा कार्रवाई की जाती है जो महज औपचारिक बनकर रह गई है। इसमें प्रशासन की मौन स्वीकृति भी नजर आ रही है।

शहर में रेत 4 से 5 हजार रुपए में बिक रही है, जबकि नदियों में से यह लोग रेत मुफ्त में निकाल रहे हैं। यह रेत अधिकतर नई डेवलप हो रही कॉलोनीयो में खपा दी जाती है और बड़े-बड़े कंस्ट्रक्शन में इस रेत का इस्तेमाल किया जाता है बताया जाता है कि रेत निकालने वाले खनिज विभाग से लेकर स्थानीय पुलिस तक को मैनेज करके चलते हैं। संबंधित गांव के सरपंच और अन्य लोग भी इसमें शामिल रहते हैं। इस बंदरबांट से शासन को लाखों, करोड़ों रुपये राजस्व का चूना लगाया जा रहा है। जनता का कहना है समय-समय पर खनन अधिकारी को अवैध खनन की जानकारी देने के बावजूद भी कोई ठोस कार्यवाही नहीं की जाती।

सुविचार

मनुष्य की इच्छाशक्ति से बड़ी कोई शक्ति नहीं है।इसलिए इच्छा शक्ति बहोत जरूरी है।

संपादकीय

दवाओं की गुणवत्ता का सवाल

केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) द्वारा नवंबर में जारी ड्रग अलर्ट ने चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि इसमें जांच के दौरान हिमाचल प्रदेश में बनी 38 दवाओं के सैंपल फेल हुए हैं. इनमें बुखार, रक्तचाप, दमा और कैंसर जैसी बीमारियों की दवायें शामिल हैं. इनमें से कई दवायें बाजार में पहुंच चुकी हैं. सीडीएससीओ के अलावा राज्य दवा नियंत्रक की जांच में भी सैंपल फेल पाये गये हैं. सैंपल फेल होने के बाद ड्रग विभाग ने सभी दवाओं के बैच बाजार से उठाने और कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं, क्योंकि कुछ दवा कंपनियां मुनाफे के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रही हैं. केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन दरअसल हर महीने राष्ट्रीय स्तर पर ड्रग अलर्ट जारी करता है. इसमें जिन दवाओं के सैंपल फेल होते हैं, उनकी सूची जारी की जाती है, ताकि उनका स्टॉक बाजार से वापस मंगवाया जा सके. देश में जुलाई से नवंबर तक दवाओं के कुल 317 सैंपल फेल हुए. इनमें हिमाचल का आंकड़ा 112 है. जुलाई में दवाओं के 31 सैंपल फेल हुए थे, जिनमें हिमाचल में बनी 12 दवायें थीं. अगस्त में राष्ट्रीय स्तर पर 70 दवाओं के सैंपल फेल हुए थे, जिनमें हिमाचल के 20 सैंपल थे. सितंबर में देश भर में फेल हुए 59 दवा सैंपलों में हिमाचल की हिस्सेदारी 19 थी. अक्तूबर में 67 सैंपल फेल हुए थे, जिनमें हिमाचल का आंकड़ा 23 था, तो नवंबर में देश भर में दवाओं के 90 सैंपल फेल हुए थे, जिनमें से 38 दवायें हिमाचल में बनी थीं. इससे पहले जनवरी से जुलाई तक हिमाचल की 107 दवाओं के सैंपल जांच में फेल हुए थे. इससे फार्मा हब के नाम से मशहूर हिमाचल प्रदेश की छवि खराब हो रही है. हिमाचल में करीब 600 फार्मा कंपनियां सालाना 12,000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार करती हैं. हिमाचल की कंपनियों में बनी दवाओं की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी मांग है. जाहिर है, हिमाचल अकेला राज्य नहीं है, जहां दवाओं के सैंपल फेल हो रहे हैं. पिछले साल दिसंबर में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दवाओं के कुछ सैंपल फेल होने के मामले सामने आये थे. जबकि उत्तराखंड में विगत मार्च से जुलाई तक सीडीएससीओ की जांच में 48 दवाओं के सैंपल फेल पाये गये थे. इसे देखते हुए ड्रग विभाग ने उपभोक्ताओं को दवा खरीदने के समय सतर्कता बरतने के लिए कहा है. उसने दवाओं की ऑनलाइन खरीद और मुफ्त दवा दिये जाने के अभियानों के प्रति सावधान रहने, दवा के पैकेज और ब्रांड का गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा मैन्यूफैक्चरिंग डेट, एक्सपायरी डेट और एमआरपी पर पैनी नजर रखने के लिए कहा है. दवाओं के मामले में व्यापक सतर्कता से ही स्वास्थ्य और जीवन की सुरक्षा संभव है.

सराफा विद्या निकेतन की वृद्धि वाधवानी को सिंधी समाज में सम्मान

■ **इंदौर। नगर प्रतिनिधि**

सिंधी समाज इंदौर द्वारा सराफा विद्या निकेतन की मेधावी छात्र-छात्रा सुश्री वृद्धि वाधवानी को कक्षा सातवीं में 92% अंक लाने पर सम्मानित किया गया। पूज्य जैकबाबाद जिला सिंधी पंचायत, इंदौर के अध्यक्ष गोपालदास परियानी और डॉ . जयकुमार परियानी द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि वृद्धि वाधवानी ने सिंधी समाज का नाम रोशन किया है। इस दौरान पंचायत के अनेक पदाधिकारी गण मौजूद थे।

इंदौर में 4 दिसंबर को बंद रहेंगे शहर के बाजार

बांग्लादेश में हो रही हिंसा के खिलाफ बड़ा आंदोलन

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट**

4 दिसंबर को रैली के बाद शहर के बाजार भी आधे दिन के लिए बंद रहेंगे। प्रदेश में सबसे बड़ी रैली इंदौर में होने जा रही है। इंदौर के अलावा देश के अन्य स्थानों पर भी छह दिसंबर तक बड़ी रैलियां आयोजित करने की तैयारी है। इंदौर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अगुवाई में 4 दिसंबर को बड़ा आंदोलन होगा। लालबाग परिसर से कलेक्टोरेट तिराहे तक रैली निकाली जाएगी। इसमें 50 हजार से ज्यादा लोगों के शामिल होने का अनुमान है। बांग्लादेश में हिन्दू परिवारों पर हो रहे अत्याचार के विरोध में निकाली जाने वाली इस रैली को आक्रोश रैली का नाम दिया गया है। 4 दिसंबर को रैली के बाद शहर के बाजार भी आधे दिन के लिए बंद रहेंगे। प्रदेश में सबसे बड़ी रैली इंदौर में होने जा रही है। इंदौर के अलावा देश के अन्य स्थानों पर भी छह दिसंबर तक बड़ी रैलियां आयोजित करने की तैयारी है।

बैठक में बनी रणनीति

आक्रोश रैली को लेकर शुक्रवार को इंदौर के संघ कार्यालय पर एक बैठक भी बुलाई गई थी। जिसमें संघ से जुड़े संगठन, शहर के व्यापारिक व धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

बैठक में कहा गया कि इंदौर में भीड़ के लिहाज से सबसे बड़ी रैली निकालना चाहिए, ताकि बांग्लादेश सरकार तक यह संदेश पहुंचे कि देश की जनता बांग्लादेश के हिन्दू परिवारों के साथ है। रैली 4 दिसंबर को सुबह साढ़े 9 बजे लालबाग से रैली शुरू होगी। रैली में शामिल होग हाथों में तख्तियां लेकर चलेंगे और अफसरों को ज्ञापन देंगे।

मालवा चैंबर का बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ व्यापार एवं उद्योग जगत का भारी आक्रोश

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट**

मालवा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रहे अत्याचारों की कड़ी निंदा करते हुए भारत सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। चैंबर की कार्यकारिणी की आज हुई बैठक में इस मुद्दे पर गहन चर्चा हुई और सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि बांग्लादेश सरकार के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बनाया जाए। चैंबर के (अध्यक्ष)अजित सिंह नारंग और(सचिव)सुरेश हरियानी,(मार्गदर्शक)डॉ संतोष वाधवानी ने एक संयुक्त बयान में कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ जो हो रहा है वह मानवता के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को इस मामले में तत्काल कूटनीतिक पहल करनी चाहिए और बांग्लादेश सरकार को हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए।

चैंबर ने 4 दिसंबर को होने वाली सर्व हिंदू समाज की रैली का पूर्ण समर्थन किया है और इंदौर के सभी व्यापारी संगठनों से अपील की है कि वे इस दिन दोपहर 1 बजे तक अपने प्रतिष्ठान बंद रखें। चैंबर ने इंदौर के सभी मॉल को भी इस आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया है।

श्री नारंग और श्री हरियानी ने कहा कि यह समय एकजुट होकर हिंदू समाज के साथ खड़े होने का है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार को इस मुद्दे पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए ताकि बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

मालवा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज

अजित सिंह नारंग अध्यक्ष, सुरेश हरियानी सचिव, मार्गदर्शक डॉ. संतोष वाधवानी

4 दिसंबर बंद को सिंधी समाज का भी समर्थन

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट**

हिंद सिंध समन्वय संगठन के अध्यक्ष डॉ संतोष वाधवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के आक्रोश में विरोध स्वरूप दिनांक 4 दिसंबर 2024 को इंदौर बंद को सिंधी समाज का भी पूरा समर्थन है। इंदौर टेलरिंग मैटेरियल संगठन के कमल लालवानी , पवन कुकरेजा, सियागंज से जयकुमार तलरेजा, मारोठिया बाजार व्यापारी से नितिन सहजवानी, जितेंद्र रामनानी, गगन खुबानी, छोटा सराफा से डॉ. संतोष वाधवानी इत्यादि सभी सिंधी व्यापारियों द्वारा इस संबंध में आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया है कि सिंधी समाज द्वारा भी बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार के खिलाफ पुरजोर विरोध करेंगे और बंद को पूरा समर्थन देंगे।

मध्य प्रदेश में अब बिल्डर खुद कर सकेंगे अपने प्रोजेक्ट में प्रापर्टी की रजिस्ट्री

■ **भोपाल। संभाग पोस्ट**

राज्य सरकार अब रीयल एस्टेट रेगुलेटरी अथारिटी (रेरा) में पंजीकृत बिल्डरों (निजी निर्माणकर्ता) को भी सब रजिस्ट्रार का अधिकार देने जा रही है। इससे वह अपने प्रोजेक्ट में संपत्ति की रजिस्ट्री खुद कर सकेंगे। राज्य सरकार शुरुआत में मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड और भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) के एक-एक अधिकारी को सब रजिस्ट्रार के अधिकार देगी। इसका प्रस्ताव तैयार है। मुख्यमंत्री की हरी झंडी मिलते ही यह नई व्यवस्था प्रदेशभर में लागू हो जाएगी। इसके तहत हाउसिंग बोर्ड या विकास प्राधिकरण के किसी अधिकारी को सब रजिस्ट्रार का प्रभार दिया जाएगा।

मिलेंगे सब रजिस्ट्रार के अधिकार

यह अधिकारी प्रदेश में हाउसिंग बोर्ड या विकास प्राधिकरण के प्रोजेक्ट में संपत्ति की रजिस्ट्री कर सकेगा। इस नई व्यवस्था से बड़ा फायदा यही होगा कि संपत्ति खरीदने वाले व्यक्ति को रजिस्ट्रार दफ्तर नहीं जाना होगा। वह हाउसिंग बोर्ड कार्यालय में बनाए गए सब रजिस्ट्रार के माध्यम से भी रजिस्ट्री करवा सकेगा।

बिल्डर रजिस्ट्री की प्रक्रिया की करेगा वीडियोग्राफी

प्रस्ताव के अनुसार हाउसिंग बोर्ड, बीडीए सहित रेरा में पंजीकृत बिल्डर को सब रजिस्ट्रार का अधिकार देने से वे अपने प्रोजेक्ट में संपत्ति की एक साथ रजिस्ट्री करवा सकेंगे। इससे लाभ यह होगा कि प्रापर्टी खरीदने वालों को रजिस्ट्रार कार्यालय नहीं जाना पड़ेगा और वे दलालों के चंगुल से भी बच सकेंगे। इस नई व्यवस्था को 'नान इंट्रेस्ट मोड' नाम दिया गया है। बिल्डर रजिस्ट्री की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करेगा, इसे आधार से लिंक कर साफ्टवेयर में दस्तावेज का पंजीयन कर आनलाइन सबमिट किया जाएगा। सब रजिस्ट्रार इसका परीक्षण करके इसे स्वीकृति प्रदान करेगा।

अभी यह है व्यवस्था

अभी स्टांप वेंडर की मदद से क्रेता और विक्रेता अपने दो गवाह के साथ रजिस्ट्रार कार्यालय में उपस्थित होता है। संपत्ति के दस्तावेजों का आनलाइन वेरिफिकेशन किया जाता है। इसके बाद रजिस्ट्री कर दी जाती है। इसके पहले रजिस्ट्रार कार्यालय से स्लाट बुक होता है। स्लाट का नंबर आने पर ही रजिस्ट्री की प्रक्रिया की जाती है।

संपदा 2.0 के तहत भी रजिस्ट्री कराने की घर बैठे मिल रही सुविधा

अक्टूबर, 2024 से प्रदेश में लागू किए गए रजिस्ट्री के नए साफ्टवेयर संपदा-2.0 के तहत अब लोग घर बैठे संपत्ति की रजिस्ट्री करवा रहे हैं यानी खरीद या बेच रहे हैं। इस प्रणाली से प्रदेश ही नहीं, बल्कि प्रदेश और देश के बाहर से भी ऑनलाइन रजिस्ट्रियां कराई जा सकती हैं। हालांकि इस व्यवस्था के शुरू होने के बाद भी गवाहों को कार्यालय तक आना पड़ रहा है। इसकी मुख्य वजह सेवा प्रदाताओं के पास थंब इंप्रेशन और वेब कैमरा नहीं होना हैं इसलिए रजिस्ट्री के पुराने साफ्टवेयर संपदा-1 पर भी काम जारी है।

स्व. शुक्ला की स्मृति में वरिष्ठ एवं सक्रिय पत्रकारों का सम्मान

छायाचित्र प्रतियोगिता के विजेता भी पुरस्कृत हुए

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

वरिष्ठ पत्रकार विद्याधर शुक्ला एवं ज्योतिषाचार्य ज्वालाप्रसाद शुक्ला की स्मृति में पांचवा पत्रकारिता सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्व. लक्ष्मणसिंह गौड़ स्मृति 'हमारा नया इंदौर' विषय पर आयोजित छायाचित्र प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में सर्वश्री सांसद शंकर लालवानी, विधायक मालिनी लक्ष्मणसिंह गौड़, पूर्व विधायक सत्यनारायण सत्तन, लेखक-विचारक डॉ. सुभाष खंडेलवाल एवं स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि स्वर्गीय शुक्लाद्वय ने अपनी कलम और बौद्धिकता से शहर में विशिष्ट स्थान बनाया। उनकी सकारात्मकता और दूरदृष्टि की आज भी मिसाल दी जाती है। अतिथियों ने सम्मानित होने वाले मीडियाकर्मियों का आव्हान किया कि वे अपनी कलम से शहर के विकास को नई दिशा देवें। उनका प्रयास रहे कि आँखों से निकलने वाले आंसू मुस्कान में तब्दील हो जाए।

सभी मीडियाकर्मियों को दिवंगत पत्रकारों की याद में उनके परिजनों द्वारा सम्मानित किया गया। प्रारम्भ में अतिथियों ने स्व. शुक्ला के चित्र पर माल्यार्पण कर समारोह का श्रीगणेश किया। समारोह की जानकारी कार्यक्रम संयोजक शैलेन्द्र शुक्ला ने दी। नवनीत शुक्ला ने आभार व्यक्त किया। अतिथियों को मांगीलाल चौहान, मनोहर लिम्बोदिया, राजेन्द्र गुप्ता, ओम दरबार एवं प्रवीण धनोतिया ने स्मृति चिन्ह भेंट किए।

वरिष्ठ पत्रकारों का अभिनन्दन : सर्वश्री कीर्ति राणा, ओमप्रकाश जैन, अशोक शिंदे, केके झा, राजेंद्र कोपरगांवकर, प्रदीप पंडित, योगेन्द्र जोशी, नारायण जोशी, पंकज पांडे, संजय व्यास, प्रवीण राठौर, एवं श्रद्धा चौबे। सक्रिय पत्रकारों का सम्मान : सर्वश्री राहुल दुबे, अनिल कर्मा, लोकेश सोलंकी, वीरेंद्र वर्मा, वीरेंद्र रायकवार, उत्तम राठौर, सुनील नावरे, सुजीत यादव, राजेश पिपलोदिया, फिरोज खान, निहारिका शर्मा, सुरभि भावसार एवं रौशनी शर्मा। ज्योतिष श्री सम्मान : सर्वश्री शशिकांत गुप्ते एवं बौद्धेश तिवारी। छायाचित्र प्रतियोगिता के विजेता : प्रथम पुरस्कार राजू पंवार, द्वितीय पुरस्कार, आशीष शर्मा एवं बंशी लालवानी, तृतीय पुरस्कार गोपाल वर्मा, जयेश मालवीय एवं विशाल चौधरी। प्रोत्साहन पुरस्कार मनीष शर्मा, धर्मेन्द्र चौहान, देवेन्द्र मालवीय एवं रवीन्द्र सेठिया। साहसिक कैमरामैन सम्मान : सर्वश्री डगलस रम्बाडिया एवं नीलेश करोसिया। तमिल फिल्म बेटर टुमारो के निर्माता शैलेन्द्र शुक्ला को विशेष सम्मान से नवाजा गया। श्री शुक्ला की फिल्म को हाल ही में सोलह अंतर्राष्टीय अवार्ड मिले हैं। श्री शुक्ला पूर्व में दिनदहाड़े, ओम शान्ति ओम, कृष्ण-अर्जुन आदि फिल्म भी बना चुके हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य एवं प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

श्री देवांग कोष्टी समाज द्वारा सम्मान

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर लालबाग परिसर में हिन्दू आध्यात्मिक एंव सेवा संस्थान व्दारा आयोजित मेले मे श्री देवांग कोष्टी समाज भी सक्रिय रूप से जुड़कर हिंदुत्व के लिए अपनी सक्रियता दिखाई। मेले मे विभिन्न समाजो के सैकड़ों स्टाल लगे , जिसमे सबने अपने-अपने समाज का कार्य व उद्देश्य बताया मेले की शुरुवात 28 नवंबर गुरुवार को संध्याकाल 6:00 बजे से लालबाग, इंदौर मे हुई जो 2 दिसंबर 2024 तक चला। श्री देवांग कोष्टी समाज के मीडिया प्रभारी दिलीप वर्मा द्वारा भी समाज जनों का आवाहन करके उनसे निवेदन किया गया। हिन्दू आध्यत्मिक एवं सेवा संस्थान द्वारा आयोजित यह अद्भभुत मेला कार्यक्रम मे समाज के सभी समाज बंधुओ को पाँच दिवसीय मेले मे प्रतिदिन सपरिवार आने का आह्वान किया व समाज के परिवार को मेले की हिन्दुत्व धर्म, संस्कृतिक संस्कार से परिचित कराया। हिन्दुत्व की विशेषताओं की जानकारी से सभी को अवगत कराया कोष्टी समाज अध्यक्ष कल्याण देवांग द्वारा (HSSF) विशाल हिन्दू सम्मेलन में पूर्ण सहयोग,समर्पण, शक्ति से कार्य किया मेले मे समाज का स्टाल नंबर डोम नं. 1 मे स्टाल नं.48 रहा।

डॉ. अर्पण जैन को मिलेगा प्रभासाक्षी का हिन्दी सेवी सम्मान 2024

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

हिन्दी तन मन, हिन्दी जीवन के भाव के साथ एक दशक से लगातार हिन्दी के प्रचार-प्रसार और विस्तार में जुटे मातृभाषा उन्नयन संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पण जैन 'अविचल' को वर्ष 2024 का हिन्दी सेवी सम्मान नईदिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में 6 दिसम्बर को प्रदान किया जाएगा। देशभर में विगत 23 वर्षों से लगातार प्रभासाक्षी हिन्दी समाचारों का बेहतरीन मंच है। ज्ञात हो कि डॉ. अर्पण जैन सुप्रसिद्ध हिन्दी सेवी हैं, जिन्होंने अब तक लगभग 30 लाख लोगों के हस्ताक्षर बदलवा दिए हैं। साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2020 का अखिल भारतीय नारद मुनि पुरस्कार और जम्मू कश्मीर साहित्य एवं कला अकादमी एवं वादीज़ हिन्दी शिक्षा समिति द्वारा वर्ष 2023 का अक्षर सम्मान डॉ. अर्पण जैन को प्राप्त हुए हैं। हिन्दी सेवी सम्मान के चयन के लिए सुधीजनों और साहित्य प्रेमियों ने डॉ. अर्पण जैन को बधाई प्रेषित की।

छह साल बाद इंदौर बाइपास की सर्विस रोड बनना शुरू, दो साल पहले हटाए थे कब्जे

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

नगर निगम ने सर्विस रोड को फोरलेन बनाने का फैसला लिया था। तत्कालीन कलेक्टर मनीष सिंह भी इस पक्ष में थे। तब कुछ निर्माणों के मंजूर नक्शे निरस्त किए गए। डेढ़ साल पहले दो सौ से ज्यादा अतिक्रमण भी सर्विस रोड के लिए तोड़े गए, लेकिन तब सड़क नहीं बन पाई। इंदौर के राऊ से देवास नाका बाइपास पर छह साल बाद सर्विस रोड बनना शुरू हुई है। फिलहाल सर्विस रोड डामर की बनाई जा रही है। अभी बाइपास के कई हिस्सों में सर्विस रोड पर खड्डे है। नगर निगम बिचौली मर्दाना वाले हिस्से में बनाई जा रही है। राऊ और तेजाजी नगर वाले हिस्से की सर्विस रोड को भी दो माह में ठीक किया जाएगा। दस साल पहले जब इंदौर बाइपास को चार लेन से छह लेन किया जा रहा था तो पूरे मार्ग पर सर्विस रोड नहीं बनाई गई थी। टुकड़ों-टुकड़ों में दस किलोमीटर की सर्विस रोड बनाई गई, जबकि सरकार ने 30 किलोमीटर लंबे इस बायपास पर टोल टैक्स भी लगा दिया था।

इसके बावजूद सर्विस रोड नहीं बनाने पर जनप्रतिनिधियों ने काफी विरोध किया था। अभी सबसे ज्यादा सर्विस रोड पर ट्रैफिक का दबाव एमआर-10 जंक्शन पर रहता है। यहां अक्सर ट्रैफिक जाम लगता है। इसके अलावा बिचौली मर्दाना जंक्शन पर भी यातायात बाधित होता है। अब सर्विस रोड बनने से वाहन चालकों को राहत मिल सकती है। एनएचएआई बाइपास पर तीन जगह ब्रिज भी बना रहा है।

डेढ़ साल पहले तोड़े थे अतिक्रमण

नगर निगम ने सर्विस रोड को फोरलेन बनाने का फैसला लिया था। तत्कालीन कलेक्टर मनीष सिंह भी इस पक्ष में थे। तब कुछ निर्माणों के मंजूर नक्शे निरस्त किए गए। डेढ़ साल पहले दो सौ से ज्यादा अतिक्रमण भी सर्विस रोड के लिए तोड़े गए, लेकिन तब सड़क नहीं बन पाई। अब नगर निगम ने इसके निर्माण शुरू किया है। नगर निगम ने बायपास के एक तरफ नर्मदा लाइन बिछाने के लिए सर्विस रोड पर खुदाई की थी। इस कारण सर्विस रोड खराब हो गई थी। तब राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सर्विस रोड बनाने का जिम्मा नगर निगम को दिया था। निर्माण के लिए तब प्राधिकरण ने 80 करोड़ रुपये भी दिए।

एमपी के नए DGP पहले दिन ही एक्शन में बोले-थानों में जनता की हो सुनवाई, सभी एसपी,आईजी की लेंगे बैठक

भोपाल । संभाग पोस्ट

मध्य प्रदेश के नए डीजीपी कैलाश मकवाणा ने सोमवार को पदभार ग्रहण करते पीएचक्यू अधिकारियों की बैठक बुलाई और उनकी क्लास लगा दी। उन्हेंने अधिकारियों को अपनी प्राथमिकता भी बता दी। डीजीपी ने कहा कि पुलिस फोर्स से हमेशा अनुशासन की अपेक्षा की जाती है और उनकी कोशिश रहेगी इसे सख्ती से लागू किया जाए। डीजीपी ने मंगलवार को प्रदेश के सभी पुलिस अधीक्षकों और आईजी की बैठक बुलाई है। एसपी-आईजी बैठक में डीजीपी पुलिस अधिकारियों को अपनी 10 प्राथमिकताएं बताएंगे। कैलाश मकवाणा ने कहा कि थानों में जनता की सुनवाई हो और पुलिस रिस्पॉन्सिव हो यह उनकी प्राथमिकता रहेगी। बाद मीडिया से रूबरू हुए डीजीपी ने कहा कि प्रदेश की पुलिस फोर्स को बेहतर रिस्पांसिबल और अकाउंटेबल बनाने के प्रयास किए जाएंगे।

पुलिस की क्षमताओं को और बढ़ाया जाएगा

उन्होंने कहा कि पुलिस फोर्स की कमी हमेशा महसूस की जाती रही है, लेकिन इस कमी को पूरा करने के लिए प्रदेश की पुलिस को तकनीकी रूप से और सक्षम

बनाया जाएगा। सड़क हादसों में कमी के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में डिजिटाइजेशन होने के साथ ही साइबर फ्रॉड की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। हमारी कोशिश रहेगी कि ऐसी घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए सबसे पहले जनता को जागरूक किया जाए। साथ ही पुलिस की क्षमताओं को और बढ़ाया जाएगा वैसे मध्य प्रदेश पुलिस साइबर क्राइम के मामले में बहुत बेहतर काम करती आई है।

अपराधिक घटनाओं से ज्यादा सड़क दुर्घटना से मौत

कैलाश मकवाणा ने ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर चिंता जताई है उन्होंने कहा कि, यह चिंता का विषय है कि प्रदेश में जितने लोगों की जान अपराधिक घटनाओं में नहीं जाती उससे ज्यादा मौतें सड़क दुर्घटनाओं में हो जाती हैं। प्रदेश में यातायात सुरक्षा को कैसे मजबूत किया जाए इसको लेकर तेजी से काम किया जाएगा। इसके लिए लोगों को भी ट्रैफिक का पाठ पढ़ाया जाएगा, साथ ही तकनीकी सुधार किए जाएंगे। कैलाश मकवाणा ने 2028 में होने जा रहे सिंहस्थ को पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बताया. उन्होंने कहा कि उज्जैन में बने महाकाल लोक के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में कई गुना बढ़ोतरी हुई है। आगामी सिंहस्थ 2028 में पिछले सिंहस्थ की अपेक्षा कई गुना ज्यादा श्रद्धालुओं की भीड़ आने की उम्मीद है। इसको देखते हुए ट्रैफिक मैनेजमेंट को लेकर बड़ी प्लानिंग शुरू की जाएगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा

भारत अब लेने वाला नहीं देने वाला देश है

इंदौर । संभाग पोस्ट

विश्व एड्स दिवस पर देवी अहिल्या विश्व विद्यालय सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत देश में टिटनेस की दवा आने में 40 साल लगे। क्षय रोग की दवा आने में 25 साल लगे, लेकिन कोरोना के दो टीके 9 माह में आ गए। जिन्होंने कई लोगों की जिंदगी बचाई। हमने चालीस देशों को मुफ्त कोरोना की दवा दी।अब भारत लेने वाला नहीं देने वाला भारत बन चुका है।कोरोना के समय डेढ़ माह में देश तैयार हुआ।पीपीई किट,आईसीयू बेड, टेस्टिंग किट बनाई गई। कोरोना का मैनेजमेंट देश में प्रभावी रहा। नड्डा ने कहा कि नए उम्र के लोगों ने काला दौर नहीं देखा, जो 80 के दशक में रहा। एड्स की बीमारी को डेथ वारंट माना जाता था। पूरा परिवार तबाह हो जाता था। तब जागृति के लिए कोई अभियान भी नहीं चलते थे। अभी तक इस तरह की दवा नहीं आई कि मरीज उसे खाकर पूरी तरह ठीक हो जाए। मरीज को आजीवन दवा खाना पड़ेगी और जीवन भर वह ठीक रह सकता है। अब हमारा विज्ञान इतना विकसित हो चुका है कि इस बीमारी के साथ भी लोग लंबी जिंदगी जी रहे है। सामान्य संतानों को जन्म दे रहे है। इसकी चर्चा से हमें भागना नहीं चाहिए। बच्चों को इस बीमारी के लिए एज्यूकेट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एड्स के साथ जो लोग जी रहे है, उनकी स्थित को समझे और उनके प्रति संवेदनशील रहे और उनके अधिकारों का हनन न हो, इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। एड्स की लंबी लड़ाई समाज ने और देश ने लड़ी है।

पहले एड्स की दवा नहीं थी। जब दवा आई तो वह इतनी महंगी थी कि वह गरीब आदमी खरीद नहीं सकता था। वह दवाई भारत सरकार अब फ्री में दी जाती है। देश में 17 लाख लोग एड्स पीडित् है। भारतीय कंपनियों ने सबसे सस्ती और असरकारक दवाएं बनाई। जो विश्व के लिए मददगार साबित हो रही है। अफ्रीका, साउथ अफ्रीका जैसे देशों को हम जोड़ पाए है।

समारोह में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि एड्स रोगी को अच्छा इलाज और समाज से मदद मिले तो रोगी इस बीमारी पर जीत हासिल कर जीवन यापन कर सकते है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के बाद देश का स्वास्थ्य विभाग पर विश्वास और पक्का हुआ है। भारत ने तब दूसरे देशों की भी मदद की। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि पहले मेडिकल कॉलेज खोलने में परेशानी आती थी, लेकिन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने व्यवस्था में काफी बदलाव किए और नए मेडिकल कॉलेज खुलने का रास्ता साफ हुआ। प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या दोगुनी हुई है। प्रदेश में तीन मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे है। दो साल में इनकी संख्या पचास हो जाएगी। समारोह में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, जगदीश देवड़ा, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, स्वास्थ्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल सहित अन्य नेता मौजूद थे।

विमानतल पर नेताओं ने जोरदार स्वागत

विमानतल पर भाजपा नेताओं ने जेपी नड्डा का जोरदार स्वागत किया। इस बार मेयर पुष्य मित्र भार्गव भी बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ उनका स्वागत करने पहुंचे थे। गौरव रणदिवे, तुलसी सिलावट, गोलू शुक्ला, रमेश मेंदोला समर्थकों ने भी स्वागत में कोई कसर बाकी नहीं रखी। इस कारण विमानतल पर अव्यवस्था भी फैल गई। एयरपोर्ट रोड पर भी जगह-जगह स्वागत मंच लगे हुए थे। एक स्थान पर भाजपा महिला नेत्रियों ने नड्डा की आरती भी उतारी।

रामसेवक दुबे
9406621084
पूजा
बुक्स एण्ड स्टेशनर्स
CBCE स्कूल बुक्स
चिल्ड्रन बुक्स
ऑफिस स्टेशनरी
कम्प्यूटर स्टेशनरी
स्कूल स्टेशनरी एवं
गिफ्ट आयटम
6/3, सुंदर अपार्टमेन्ट, क्लर्क कालोनी चौराहा, श्री सत्य सांई बाल विनय मंदिर के सामने, इन्दौर मो

|| श्री गणेश || || जय माँ भगवती ||
सेवक राम केवट (छोटू उस्ताद)
मो. 9826012658, 9131711406

माँ नर्मदा केटरर्स
107, नार्थ मुसाखेड़ी, अजयबाग कॉलोनी, इन्दौर
शादी, पार्टी, पिकनिक, जन्मदिन पर कच्ची एवं पक्की रसोई की सम्पूर्ण व्यवस्था हेतु सम्पर्क करें।

अनुप यादव 9617246247
अमन यादव 7773007307 8770131488
सावित्री हार्डवेयर
सेनेटरी एण्ड पेन्ट्स
ASTRAL PIPES
Kisan
92 हीरा नगर MR-10 मेन रोड़, इन्दौर (म.प्र.)

विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य पर जागरूकता रैली निकाली

खरगोन । संभाग पोस्ट

विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य पर सोमवार को शहर में जागरूकता रैली निकाली गई। पीजी कॉलेज में गोष्ठी के दौरान विद्यार्थियों, स्टॉफ, आमजन व स्वास्थ्यकर्मियों को एड्स के रोकथाम को लेकर जानकारी दी गई। चिकित्सकों ने बताया कि एड्स पीडित् व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी जाती है। बुखार, थकान, सूखी खांसी, वजन का कम होना, त्वचा, मुंह, आंख या नाक के पास धब्बे पडना और शरीर में दर्द की शिकायत आदि एड्स के लक्षण हो सकते हैं। इन्हें नजरअंदाज न करें। तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर जांच कराएं। रैली में एड्स से बचाव एवं लक्षणों की जानकारी लिखे बैनर, पोस्टरों के माध्यम से आमजन को जागरुक किया गया।

बड़वाह की सेंट्रल स्कूल में निकला 12 फिट लम्बा अजगर:बच्चो की कक्ष में बैठा हुआ था, लॉन से किया रेस्क्यू

वन क्षेत्र में छोड़ा,बीती रात की घटना

बड़वाह । संभाग पोस्ट

बड़वाह सेंट्रल स्कूल में उस समय हड़कम्प मच गया।जब नर्सरी कक्षा में लगभग 12 फिट लम्बे अजगर को देखा गया।यह क्लास से निकलकर क्लास के बाहर बने लॉन में पहुंच गया।अजगर निकलने की जानकारी मिलने पर सेंट्रल स्कूल के प्रिंसिपल,स्टाफ सहित सीआईएसफ के अधिकारी भी पहुंच गए।इस बीच मशक्कत के बाद सोसायटी फॉर एनिमल एंड वेलफेयर के सदस्यों ने अजगर का रेस्क्यू भी कर लिया।यह पूरी घटना रविवार रात की है।ये तो गनीमत रही की स्कूल टाईम में दिन के समय में यह घटना नही हुई।अन्यथा कोई अनहोनी भी हो सकती थी।

सोसायटी फॉर एनिमल एंड वेलफेयर के सदस्य टोनी शर्मा ने बताया की उन्हें रात करीब 10.30 बजे सेंट्रल स्कूल के गार्ड से सुचना मिली की नर्सरी कक्षा में अजगर दिखाई दिया है।इसके बाद वे तुरंत स्कूल पहुंचे।जब तक वे पहुंचे कक्ष के बाहर लॉन तक पहुंच गया था।जब तक उसे पकड़ने का प्रयास करते वह घास के बीच ओझल हो गया।अँधेरे के कारण अजगर को को ढूंढने में काफी दिक्कत आई।इस दौरान सेंट्रल स्कूल प्राचार्य,स्टाफ व सीआईएसएफ़ के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।किसी तरह अँधेरे में टोनी ने 12 फीट लम्बे अजगर का रेस्क्यु किया।लेकिन थैले में डालने के दौरान अजगर ने टोनी को काट लिया।टोनी के अनुसार अजगर जहरीला नही होता है।इसलिए कोई समस्या नही है।फिर भी एंटीबायोटिक दवा लेना जरुरी है।डिप्टी रेंजर नरेंद्र मंडलोई को सुचना देकर वन क्षेत्र में अजगर को छोड़ा गया।

इंदौर में वाहन से कट लगने की बात पर दो युवकों ने दंपति के साथ की मारपीट वीडियो वायरल

इंदौर । संभाग पोस्ट

मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में वाहन से कट लगने की बात पर एक दंपति के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है, यह पूरा मामला लसूड़िया क्षेत्र का है। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर 2 आरोपियों को गिरफ़्तार किया है। आपको बता दें यह पूरा मामला इंदौर के लसूड़िया थाना क्षेत्र के बायपास का है। जहां एक दम्पति देवास से इंदौर आ रहे थे तभी दूसरे वाहन से कट लगने की बात को लेकर दो युवक दंपति से विवाद करने लगे मौक़े पर विवाद इस क़दर बढ़ गया कि दोनों युवकों ने दम्पति के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है, वीडियो में साफ़ नज़र आ रहा है कि एक युवक महिला को बेरहमी से मारपीट करता दिख रहा है। इस मामले में एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि बायपास की घटना है। जहां दम्पति के साथ मारपीट की गई और वीडियो वायरल होने के बाद मारपीट करने वाले दोनों युवक गोविन्द और योगेश दोनों मालवा के रहने वाले हैं मूल रूप से हरियाणा के रहने वाले हैं पुलिस ने मारपीट और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने साइबर ठगी के तीन करोड़ रुपए वापस दिलवाए, यह अब तक की सबसे बड़ी राशि

इंदौर । संभाग पोस्ट

नवंबर के महीने में पुलिस ने अब तक की सबसे अधिक राशि पीड़ितों को वापस दिलवाई है, पुलिस ने जल्द सूचना देने के लिए भी हेल्पलाइन जारी की है। इंदौर में साइबर क्राइम के केस लगातार बढ़ते जा रहे हैं और पुलिस भी पीड़ितों की मदद करने का हरसंभव प्रयास कर रही है। इंदौर कमिश्नरेट में लोगों से छलकपट कर आर्थिक ठगी करने के मामलों में तुरंत राशि वापस दिलवाने और कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। ऑनलाइन ठगी की शिकायतों में क्राइम ब्रांच इंदौर की फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन टीमों को भी लगाया गया है। इसी कड़ी में एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि क्राइम ब्रांच इंदौर के द्वारा लगातार आवेदकों के पैसे रिफंड कराए जा रहे हैं। नवंबर में अब तक की सबसे अधिक राशि रिफंड करवाई गई है। 2024 (नवंबर) में आवेदकों के 03 करोड़ 45 हजार रुपए सकुशल वापस कराए गए एवं आवेदकों को ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव के लिए साइबर पाठशाला जैसे अभियान के माध्यम से लाखों लोगों को जागरूक किया गया है और ये अभियान निरंतर जारी हैं।

समय पर सूचना देने से जल्दी मिलती है राशि

दंडोतिया ने बताया कि क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस द्वारा संचालित पोर्टल आदि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त ऑनलाइन फ्रॉड की शिकायतों पर क्राइम ब्रांच इंदौर की फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन सेल द्वारा आवेदकों से फ्रॉड की सम्पूर्ण जानकारी लेकर त्वरित कार्यवाही कर आवेदकों के पैसे ठग से वापस कराने का कार्य निरंतर कर रही है। पीड़ित समय पर सूचना दें तो राशि जल्दी वापस मिलती है।

हेल्पलाइन याद रखें

आमजन को सूचित किया जाता है कि आपके साथ किसी भी प्रकार की ऑनलाइन की धोखाधड़ी होने पर तत्काल क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस द्वारा संचालित सायबर हेल्पलाइन नं. 704912-4445, 1930/ NCRP पोर्टल, आदि माध्यमों से शिकायत करें।

संभाग पोस्ट

सरकारी विभागों से टैक्स वसूलने में छूट रहे इंदौर नगर निगम के पसीने

IDA पर अकेले 68 करोड़ का बकाया

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट**

नगर निगम को सरकारी विभागों से टैक्स वसूली में काफी दिक्कत आ रही है। 20 से ज्यादा विभागों पर 212 करोड़ रुपए का बकाया है। इनमें सबसे बड़ा बकायादार छ्ंि है, जिस पर 68 करोड़ रुपए बकाया है। हालांकि, आम जनता से टैक्स वसूली में निगम को अच्छी सफलता मिली है। नवंबर तक 423 करोड़ रुपए से ज्यादा टैक्स जमा हो चुका है, जो पिछले साल से 94 करोड़ रुपए ज्यादा है। इस बढ़ोतरी में संपति कर और जलकर का बड़ा योगदान है।

टैक्स नहीं कर रहे हैं जमा

बिल्डिंग कंपाउंडिंग और बेटरमेंट चार्ज में कोई राशि जमा नहीं हुई है। जलकर वसूली में निगम ने अच्छा प्रदर्शन किया है, पिछले साल के मुकाबले 62 करोड़ रुपए ज्यादा वसूली हुई है। मीडिया से बात करते हुए मेयर ने बताया कि निगम की देनदारी 800 करोड़ से घटकर 400 करोड़ रह गई है। वहीं, निगम कमिश्नर शिवम वर्मा के अनुसार, इस साल राजस्व संग्रह लक्ष्य के अनुसार हुआ है। अगर ये 212 करोड़ रुपए मिल जाते हैं तो शहर में कई विकास कार्य हो सकते हैं।

छूट रहे पसीने

इंदौर नगर निगम, जो आम जनता से टैक्स वसूली में सख्ती बरतता है, सरकारी विभागों से बकाया वसूलने में पसीना बहा रहा है। 20 से अधिक सरकारी और कुछ निजी विभागों पर निगम का 212 करोड़ रुपए बकाया है। इनमें सबसे बड़ा बकायादार इंदौर विकास प्राधिकरण (IDA) है, जिस पर स्कीम 166 समेत अन्य मदों में 68 करोड़ 44 लाख रुपए का बकाया है। एमजीएम, पीडब्ल्यूडी और औद्योगिक इकाइयां भी बकायादारों की सूची में शामिल हैं। गौरतलब है कि निगम को सालाना टैक्स और अन्य शुल्कों से 700 से 800 करोड़ रुपए की आय होती है। इस साल आम जनता ने संपति कर और जलकर के भुगतान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। नवंबर तक निगम के खाते में 423 करोड़ रुपए से ज्यादा टैक्स जमा हो चुका है, जो पिछले साल के मुकाबले 94 करोड़ रुपए ज्यादा है। इसमें संपति कर संग्रह में 31 करोड़ और जलकर संग्रह में 62 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, बिल्डिंग कंपाउंडिंग और बेटरमेंट चार्ज के मद में निगम को निराशा हाथ लगी है। इस साल बिल्डिंग कंपाउंडिंग से एक भी रुपया नहीं मिला, जबकि पिछले साल इस मद से 1 करोड़ 26 लाख रुपए की आय हुई थी। इसी तरह बेटरमेंट चार्ज के मद में भी कोई राशि जमा नहीं हुई है, जबकि पिछले साल इस मद से 3 लाख 53 हजार रुपए मिले थे। मेयर ने कहा कि जब हमारी परिषद ने पदभार ग्रहण किया था, तब निगम पर 800 करोड़ की देनदारी थी। अब यह कम होकर 400 करोड़ रह गई है। हम रोड मैप से काम कर रहे हैं। इसे जल्द ही शून्य पर लाएंगे। वहीं, कमिश्नर ने कहा कि पिछले साल की तुलना में इस बार हमारी टीम ने बेहतर काम किया है। तय टारगेट के हिसाब से इस साल राजस्व जमा हुआ है। सभी मदों में पिछले साल से अधिक राशि मिली है।

सोशल मीडिया पर गुंडे को लाइक और कमेंट करने वालों पर भी पुलिस करेगी कार्रवाई

इंदौर पुलिस अब अपराधियों के सोशल मीडिया अकाउंट की जांच करेगी। इसमें उनकी फ्रेंडलिस्ट में शामिल लोगों की लिस्ट बनाई जाएगी। इसके साथ ही बदमाशों के सोशल मीडिया पोस्ट पर लाइक और कमेंट करने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी... इंदौर पुलिस ने की ऐसे मामलों में लिप्त १०० से ज्यादा अपराधियों की प्रोफाइलिंग।... नशे के सामानों व हथियारों संग रील बना फेसबुक-इंस्टाग्राम पर कर रहे अपलोड।... गुडों के फालोवर्स ने ऐसे वीडियो पर बढ़ावा देने के लिए कमेंट और लाइक भी किए।

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट**

सोशल मीडिया पर गुंडे को लाइक और कमेंट करना भारी पड़ सकता है। ऐसा करने वाले को पुलिस गुंडागर्दी को बढ़ावा देने के आरोप में गिरफ्तार कर सकती है। नगरीय सीमा में पुलिस ने 100 से ज्यादा अपराधियों की प्रोफाइलिंग की है। ये अपराधी मादक पदार्थों और हथियारों के साथ रील बनाकर फेसबुक-इंस्टाग्राम पर अपलोड करते हैं। डीसीपी जोन-1 विनोद कुमार मीना के मुताबिक जैसे-जैसे इंटरनेट का चलन बढ़ा अपराधियों ने स्वयं का प्रमोशन करना शुरू कर दिया।

नशा करते हुए वीडियो बनाकर किए अपलोड

दहशतगर्दी के लिए अपराधियों ने नशा करते हुए वीडियो बनाकर अपलोड करना शुरू कर दिया। कई अपराधियों ने हथियारों का प्रदर्शन और केक काटते वीडियो

बनाए। उनके फालोवर्स ने बढ़ावा देने के लिए कमेंट और लाइक भी किए।

कमिश्नर ने दिए सोशल अकाउंट जांचने के निर्देश

पुलिस की साइबर टीम अब ऐसे अपराधियों की छंटनी कर रही है। आयुक्त कार्यालय में हुई एक बैठक में सीपी संतोष कुमारसिंह ने अवैध वसूली, चाकूबाजी जैसी घटनाओं में गिरफ्तार अपराधी का सोशल अकाउंट जांचने के निर्देश दिए हैं। पुलिस परिवार, रिश्तेदार, वकील, मददगार, जमानतदार, आय और फरारी के ठिकानों के साथ-साथ उनके फेसबुक, इंस्टाग्राम अकाउंट की भी जांच करेगी। आपत्तिजनक वीडियो पर लाइक, कमेंट और फारवर्ड करने वालों को भी पकड़ा जाएगा।

मल्हारगंज पुलिस ने पकड़ा था अमन चिकना को

डीसीपी के मुताबिक पुलिस ने हाल ही में मल्हारगंज थाना क्षेत्र से कुख्यात बदमाश अमन चिकना को पकड़ा। उसके हजारों की तादाद में फालोअर थे। पुलिस ने चिकना के अकाउंट से 54 लोगों को चिह्नित किया, जो आपराधिक गतिविधियों में लिप्त थे और चिकना को लाइक-कमेंट करते थे।

चिकना रील बनाकर खुद की 'मार्केटिंग' करता था। पुलिस ने उसका जुलूस निकाला और

गिड़गिड़ाते हुए वीडियो बनाया। चिकना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ और लोगों ने खूब कमेंट किए।

डोजियार में जुड़ेगी सोशल मीडिया फ्रेंड्स की लिस्ट

डीसीपी के मुताबिक पुलिस ने अपराधियों को थाने बुलाकर डोजियर अपडेट करेगी। प्रमुख जानकारियों के साथ-साथ इंटरनेट मीडिया फ्रेंड्स की सूची भी संलग्न करेगी।पुलिस उनका वीडियो बनाने और अपलोड करने वालों पर भी कार्रवाई करेगी। आयुक्त ने आपराधिक गतिविधियों में लिप्त नाबालिगों की काउंसलिंग के लिए भी सेल बनाने के निर्देश दिए है। एनजीओ की सहायता से उन्हें समझाईस दी जाएगी। लगातार अपराध करने वाले नाबालिग के अभिभावकों को बाउंड ओवर किया जाएगा।

वाहे गुरु दी सौ..खुदा कसम,इश्वर की सौगंध

नगरीय सीमा में पुलिस ने गुंडा विरोधी अभियान चलाया। सभी थानों में सक्रिय अपराधियों की लाइन लगा दी। उनसे पूछताछ की और रोजमर्रा की जानकारी ली। आय के स्त्रोत और मददगारों का ब्योरा भी लिया गया। गांधीनगर पुलिस ने पंजाबी,उर्दू और हिंदी में शपथ दिलाई। आरोपितों ने उठक बैठक लगाई और अंत में टीआई अनिल यादव के साथ जय हिंद बोला।

दिसंबर अंत में हो सकता है मोहन कैबिनेट का विस्तार

वन विभाग पाने कई नेता सक्रिय, नागर ने भी जताई मंशा

भोपाल । संभाग पोस्ट

वन विभाग पहले मंत्री नागर सिंह चौहान के पास था। उनसे ही यह विभाग लेकर रावत को सौंपा गया था। अब नागर दोबारा वन मंत्री बनना चाह रहे हैं। वह कई जगह पर मीडिया को कह चुके हैं कि कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि मैं वन मंत्री बनूं। विजयपुर उपचुनाव में वन मंत्री रामनिवास रावत की हार और उनके इस्तीफे के बाद वन विभाग को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ गई हैं। वन मंत्रालय की अहमियत के चलते भोपाल से दिल्ली तक नेताओं के बीच लॉबिंग तेज हो गई है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि अब कैबिनेट विस्तार दिसंबर अंत या जनवरी में ही होने की संभावना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एक दिसंबर को विदेश यात्रा से लौटेंगे। इसके बाद ही कोई निर्णय होने की भी बात कही जा रही है। वन विभाग पहले मंत्री नागर सिंह चौहान के पास था। उनसे ही यह विभाग लेकर रावत को सौंपा गया था। अब नागर दोबारा वन मंत्री बनना चाह रहे हैं। वह कई जगह पर मीडिया को कह चुके हैं कि कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि मैं वन मंत्री बनूं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और संगठन जो जिम्मेदारी देगा, उसे निभाऊंगा।

सूत्रों के अनुसार, दिसंबर अंत या जनवरी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल कर सकते हैं। इसके अलावा निगम, मंडल, प्राधिकरण और आयोगों में राजनीतिक नियुक्तियों पर भी निर्णय होने की संभावना है। अमरवाड़ा से भाजपा के टिकट पर उपचुनाव जीतकर आए कमलेश शाह भी मंत्री पद के प्रबल दावेदार हैं। चुनाव के दौरान भाजपा नेतृत्व ने उन्हें आश्वासन दिया था, इसके चलते शाह अपनी दावेदारी को लेकर सक्रिय हैं।

ये नेता भी लगा रहे जोर

वन विभाग के दावेदार नेताओं ने दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकातों का सिलसिला तेज कर दिया है। मंत्री नागर सिंह चौहान, विजय शाह समेत अन्य मंत्री और विधायकों के दिल्ली में वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करने की चर्चा है। इसके अलावा मंत्री राकेश शुक्ला, गौतम टेटवाल, कृष्णा गौर के नाम की भी चर्चा है। वहीं, वरिष्ठ विधायक में गोपाल भार्गव, भूपेंद्र सिंह और संजय पाठक भी मंत्री बनने के लिए जोर लगा रहे हैं।

इसलिए है वन विभाग की अहमियत ज्यादा

वन विभाग को प्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण विभाग माना जाता है, क्योंकि इसमें वन संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा और पर्यावरणीय मंजूरी जैसे प्रमुख कार्य शामिल हैं। यह बजट के हिसाब से भी बड़ा है। करीब छह हजार करोड़ के बजट वाले विभाग में केंद्र सरकार से केंपा फंड और अन्य योजनाओं के तहत हर साल भारी बजट मिलता है, जिससे इसकी महत्ता और बढ़ जाती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का एक्शन

उर्वरक वितरण में गड़बड़ियों पर सख्त कार्रवाई, 71 पर एफआईआर

भोपाल । संभाग पोस्ट

भोपाल। प्रदेश में उर्वरकों के अवैध भंडारण, अवैध परिवहन और कालाबाजारी के 71 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज की गई है। मध्यप्रदेश को किसानों की जरूरत के मान से केन्द्र द्वारा भी निरंतर उर्वरक प्रदाय किए जा रहे हैं। जर्मनी से लौटते ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उर्वरक वितरण और विक्रय में हो रही गड़बड़ियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी उर्वरक वितरण से संबंधित शिकायतें मिली हैं, वहां तुरंत दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और वितरण केंद्रों की संख्या बढ़ाने के लिए तत्काल प्रबंध किए जाएं। किसानों को कोदो-कुटकी के उत्पादन के लिए भी प्रोत्साहित किया जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में उर्वरकों के अवैध भंडारण, अवैध परिवहन और कालाबाजारी के 71 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज की गई है। मध्यप्रदेश को किसानों की जरूरत के मान से केन्द्र द्वारा भी निरंतर उर्वरक प्रदाय किए जा रहे हैं।

761 विक्रय केन्द्र और काउंटर्स से वितरण

मुख्यमंत्री ने जर्मनी से आते ही समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में उर्वरकों के वितरण की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में पूर्व वर्ष में 470 उर्वरक विक्रय केन्द्र थे। वर्तमान में प्रदेश में 761 विक्रय केन्द्र और काउंटर्स द्वारा वितरण का कार्य किया जा रहा है। विपणन संघ, मार्केटिंग सोसायटी और एमपी एग्रो द्वारा केन्द्रों का सुचारू संचालन किया जा रहा है। प्रदेश में गुणवत्ता नियंत्रण के अंतर्गत 10 हजार से अधिक नमूने विश्लेषित किए गए। कुल 45 लायसेंस निलंबित किए गए हैं।

आपूर्ति सुचारु रखने केंद्रीय मंत्री से करेंगे संपर्क

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक मिल रहे हैं और आगामी माह में भी उर्वरकों की आपूर्ति सुचारू रहेगी। इसके लिए वे केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा तथा रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से संपर्क करेंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में नवाचार किए जा रहे हैं। जैसे, विदिशा जिले में खाद और बीज दुकानों की जांच कर सैंपल लिए गए, और जबलपुर में कालाबाजारी की शिकायतों पर सख्त कार्रवाई की गई। छतरपुर जिले में अवैध

भंडारण पर एफआईआर की गई और अन्य जिलों में भी कार्रवाई की जा रही है।

उर्वरक व्यवस्था पर रखी जा रही नजर

किसानों के हित में उर्वरक व्यवस्था पर नजर रखी जा रही है। दोषियों के विरूद्ध गत सात दिवस में 11 एफआईआर दर्ज हुई हैं। इस सीजन में कुल 71 एफआईआर दर्ज हुई हैं, इनमें प्रदेश में उर्वरक के अवैध भंडारण पर 27, अवैध विक्रय पर 17, कालाबाजारी पर 10, अवैध परिवहन पर 7, अमानक उर्वरक पर 5, पीओएस मशीन से विक्रय नहीं करने पर 3 और नकली उर्वरक के विक्रय पर 2 एफआईआर दर्ज हुई हैं। प्रदेश भर में यह कार्यवाही निरंतर चल रहा है।

वित्तीय प्रबंधन में मध्य प्रदेश बनेगा देश का पहला राज्य

लेन-देन और डाटा प्रबंधन पूरी तरह होगा पेपरलेस

• भोपाल । विशेष प्रतिनिधि

वित्तीय प्रबंधन में मध्य प्रदेश एक नई क्रांति लाने जा रहा है। प्रदेश के वित्त विभाग ने एकीकृत वित्तीय प्रबंधन व्यवस्था (आईएफएमआईएस) को लागू करने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। यह नई प्रणाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर आधारित होगी, जो वित्तीय लेन-देन और डाटा प्रबंधन को पूरी तरह पेपरलेस, संपर्करहित और फेसलेस बनाएगी। मध्य प्रदेश सरकार की यह पहल न केवल वित्तीय क्षेत्र को नया आयाम देगी बल्कि डिजिटल गवर्नेंस में प्रदेश को अग्रणी बनाएगी।

उन्नत तकनीक का होगा उपयोग

यह प्रणाली राज्य के 10.2 लाख कर्मचारियों, 5.6 लाख पेंशनभोगियों, 5917 संवितरण कार्यालयों और सभी विभागों के वित्तीय लेन-देन को एकीकृत करेगी। हर साल 3.5 करोड़ से अधिक वित्तीय ट्रांजेक्शन इस सॉफ्टवेयर के जरिए मैनेज होंगे। इस परियोजना के तहत विकसित हो रहे आईएफएमआईएस नेक्स्ट और जेन सॉफ्टवेयर यूजर-फ्रेंडली होगा, जिससे प्रक्रियाएं तेज और पारदर्शी होंगी।

ग्लोबल इनोवेशन से प्रेरित

वित्त विभाग ने वैश्विक तकनीकी नवाचार के अनुरूप इस परियोजना को तैयार करने के लिए आईटी विशेषज्ञों की एक टीम गठित की है। अब तक 28 आईटी कंपनियों ने इस परियोजना में अपनी रुचि दिखाई है।

वित्त विभाग का लक्ष्य

प्रमुख सचिव वित्त मनीष रस्तोगी ने आईटी कंपनियों को टेंडर में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य वित्तीय प्रक्रियाओं में श्रेष्ठता और पारदर्शिता लाना है। आयुक्त, कोष एवं लेखा लोकेश कुमार जाटव ने इसे डिजिटल गवर्नेंस का अनूठा उदाहरण बताया और इसे देश के लिए एक मॉडल परियोजना करार दिया।

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में MD drugs के साथ 03 आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से 35 ग्राम MD Drugs, स्विफ्ट कार, मोबाइल आदि (कुल मशरूका कीमत करीब 10 लाख रू) जप्त आरोपियों से अवैध मादक पदार्थ की तस्करी(खरीदी-बिक्री) के अन्य साथियों के संबंध में पुलिस रिमांड प्राप्त कर की जाएगी पूछताछ आदतन आरोपियों के विरुद्ध पहले से पंजीबद्ध है चोरी, आर्म्स एक्ट जैसे कई गंभीर अपराध।

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट**

इंदौर शहर में अपराध नियंत्रण हेतु इंदौर कमिश्नरेट में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं इनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरूध्द प्रभावी कार्यवाही के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनमें संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार असूचना संकलन कर कार्यवाही की जा रही हैं।

इसी कड़ी क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा संदेहियो की तलाश एवं पतारसी इंदौर शहर में अलग–अलग स्थानो पर करते रेलवे क्रॉसिंग MR–4 रोड बाणगंगा पर संदिग्ध कार दिखी, पुलिस टीम के द्वारा रोका और आरोपीयो को घेराबंदी कर पकड़ा और नाम,पता पूछने पर अपना नाम (1). शहजाद पिता चांद खा उम्र 49 साल निवासी चंदन नगर,इंदौर, (2). इदरीश खान पिता इस्तीखार, उम्र 34 साल निवासी गीतगनगर धार रोड इंदौर, (3). विष्णु लोधी पिता मांगीलाल निवासी अखंड नगर इंदौर का होना बताया। सभी संदिग्ध की नियमानुसार तलाशी लेते उनके पास अवैध मादक पदार्थ MD drugs होना पाया गया जिसका लगभग कुल वजन 35 ग्राम होना पाया गया जिसके संबंध में पूछताछ करने पर आरोपीयो ने कोई उचित उत्तर नही दिया। आरोपियों के कब्जे से लगभग 35 ग्राम अवैध मादक पदार्थ MD Drugs, स्विफ्ट कार, मोबाइल आदि जप्त कर, आरोपियों के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना में लिया गया है, जिसके आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं । आरोपी से अवैध मादक पदार्थों के स्त्रोत व नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है ।

इंदौर में राजस्थान से आ रही ड्रग्स

गिरफ्तार चार तस्करों ने पुलिस पूछताछ में किया खुलासा

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट**

मध्य प्रदेश में एचडी ड्रग्स को लेकर सख्ती होने के बाद अब राजस्थान से इसे तस्करी के माध्यम से इंदौर में सप्लाई किया जा रहा है. यह खुलासा एमडी ड्रग्स तस्करी के मामले में पकड़ाए चार बदमाशों ने किया है. सभी आरोपियों से खजराना पुलिस कड़ी पूछताछ कर रही है. खजराना थाना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव ने बताया कि बिना नंबर की बलेनो कार से एमडी ड्रग्स की तस्करी होने की जानकारी मिली थी. यह बताया गया था कि राजस्थान के झालावाड़ से एमडी ड्रग्स तस्करों के तार जुड़े हुए हैं और वे राजस्थान से लाकर इंदौर में ड्रग्स सप्लाई कर रहे हैं.

एमडी ड्रग्स की कीमत...

इसी सूचना के आधार पर जाल बिछाकर चार लोगों को पकड़ा गया है. आरोपियों के कब्जे से कार भी बरामद हुई है. पुलिस ने बताया कि आरोपियों से बरामद एमडी ड्रग्स की कीमत डेढ़ लाख रुपये आंकी जा रही है. आरोपियों से जप्त 15 ग्राम एमडी ड्रग्स की कीमत डेढ़ लाख रुपये है.

इन बदमाशों की हुई गिरफ्तारी

खजराना थाना प्रभारी ने बताया कि एमडी ड्रग्स सप्लाई करने के मामले में नाजिम पिता अय्युब, अल्ताफ पिता मोहम्मद रहीम, सलमान पिता छोटे खान, मोहम्मद अरशद पिता अब्दुल सभी निवासी 12 काजी की चाल मालवा मिल, तुकोगंज इंदौर है. आरोपियों से बरामद कार की कीमत 600000 रुपये बताई जा रही है.

मंत्री के सामने उठ चुका है नशेबाजी का मामला

डॉ मोहन यादव सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के सामने इंदौर में नशेबाजी का मामला उठ चुका है, जिसके बाद से ही पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है. इसी कड़ी में झालावाड़ राजस्थान से एमडी ड्रग्स लेकर इंदौर आने वाले लड़कों को भी पकड़ लिया गया है. अब पुलिस पूरे तार को खंगाल रही है.

एक्सीडेंट कर दिया... आएगी आवाज, कार के सामने छाती पीटने लगेगा युवक, इंदौर में सक्रिय हो रही नई ठक-ठक गैंग

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट**

मध्य प्रदेश में चड्डी बनियान गैंग के बाद अब एक नया गिरोह लोगों को लूटने का काम कर रहा है। इतना तरीका भी अलग ही है। जिसके कारण आम लोग आसानी से इनकी चालाकी का शिकार हो जाते हैं। गैंग ने इंदौर शहर में अपने पैर पसारना शुरू कर दिया है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर कई लोग आपबीती सुना चुके हैं। दरअसल, ये पूरा जिक्र इंदौर शहर की नई ठक ठक गैंग का है। ये लोग एक्सीडेंट का आरोप लगाकर पैसे ऐंठने का काम करते हैं। घटना को भी पूरी प्लानिंग के तहत अंजाम दिया जाता है, जिससे फंसने वाला कुछ समझ पाए इतने में ये लोग खेल कर देते हैं।

इन जगहों पर एक्टिव है गैंग

यह गैंग आर्थिक राजधानी इंदौर के कई प्रमुख चौराहों और सड़कों पर एक्टिव है। ये लोग रोबोट चौराहा से लेकर बंगाली चौराहा, मूसाखेड़ी, सुपर कॉरिडोर, स्कीम-140 और एरोड्रम जैसी जगहों पर सक्रिय होकर काम कर रहे हैं।

इस तरह देते हैं घटना को अंजाम

ये बदमाश कार से अकेले गुजरने वाले लोगों को निशाना बनाते हैं। उन्हे रोककर कहते हैं कि तुमने एक्सीडेंट कर दिया है। इसके बाद पास में ही खड़ा उनका साथी घायल अवस्था में कार चालक के पास गिरकर एक्टिंग करने लगता है। मौका पाकर गैंग के दूसरे सदस्य भी वहां इकट्ठा हो जाते हैं। इसके बाद बहस और तू तू मैं मैं करते हुए ये लोग कार चालक को घेरते हुए उससे पैसों की मांग करने लगते हैं। कई लोग घबराकर कीमत देकर वहां से निकल जाते हैं।

पुलिस का कहना

ऐसे मामलों पर पुलिस अधिकारी अभिनय विश्वकर्मा का कहना है कि हमें ऐसे घटनाओं की जानकारी मिली है। अभी तक किसी के द्वारा शिकायती आवेदन नहीं किया गया है। अगर गैंग एक्टिव होने की बात सामने आती है तो इस मामले पर कार्रवाई की जाएगी।

श्री रवि इत्र सुगन्ध भण्डार
गुलाब, मोगरा, चन्दन, परफ्यूम इत्यादि के थोक एवं खेरची विक्रेता
प्रोपायटर : रवि सुगन्धी
मो. 9452665448
पताः हीरानगर, मेनरोड, सुखलिया, मिलन गार्डन के पास, इन्दौर

संदीप पवार
Mob :-98260-68380
KP
॥ श्री गणेशाय नमः॥
न्यू नर्मदा ट्रेडर्स
सीमेन्ट
बालू रेती
काली रेती, गिट्टी
ईंट एवं बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता
4, मंगलनगर, आई.टी.आई. रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, पेट्रोल पम्प के पहले, इन्दौर (म.प्र.)

राहुल जनरल स्टोर्स
शॉप नं. 3 मालवा मिल चौराहा, इंदौर
मो. 9977732802

डॉ. हिमांशु केलकर
एम.डी., डी.सी.एच.
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
मो. 9202238451
क्लिनिक: 20 जी/एच., गीतांजलि अपार्टमेंट, मार्केट रोड, विजय नगर स्कीम नं. 54, इंदौर (म.प्र.) Email : himanshukelkar@rediffmail.com
समय : प्रातः 10.30 से 1.30 बजे, सायं 5.30 से 8.30 बजे तक
निवास : 7-बी, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड, इंदौर

चेतन टेलर्स
(सूट स्पेशलिस्ट)
सुनिल खटके
मो. 9893118079
30/1.परदेशीपुरा, शिवधाम के सामने, इंदौर

कार्यालय पताः 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः नवीन गलकर, मो. 9009919948